अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ में दिनांक 07 फरवरी, 2015 को संभाग प्रथम के सभागार में हिन्दी साहित्य परिषद के तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया. जिसका विषय "रस सिद्धान्त, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण रस के अवयव और प्रकार" था. इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ0 टी०डी० दिनकर (भूत पूर्व प्रवक्ता, हिन्दी विभाग, अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़) थे. महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता के कुशल नेतृत्व में यह आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीपशिखा प्रज्ज्वलन से हुआ. मुख्य वक्ता डॉ0 दिनकर ने रस को काव्य की आत्मा बताते हुए उसके प्रकार और अवयवों पर चर्चा की. वहाँ उपस्थित समस्त विद्यार्थियों ने अपने सहज भाव का प्रदर्शन करते हुए विषय की तरफ ध्यान दिया और मन की उलझनों को शांत करने के लिए अनेक प्रश्न पूछे जिनका मुख्य वक्ता ने बड़ी धैर्य पूर्वक उनको समझाया. यह कार्यक्रम महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की विभागाध्यक्षा श्रीमती किरण आनन्द के निर्देशन में हुआ. डॉ0 बाँके बिहारी ने मंच संचालन किया. डॉ0 रेणु माहेश्वरी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया. इस कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के प्रवक्ता श्रीमती पूनम अहलावत, श्रीमती मंजू गुप्ता एवम साहित्य परिषद् के विद्यार्थीगण उपस्थित थे.